सफलता की कहानी

गरमनाला, जमशेदपुर के ट्यूशन टीचर विकास कुमार साहू को कौशल प्रशिक्षण ने दिलाया जीवन का नया मुकाम

हमारे देश में समाज का सबसे महत्वपूर्ण तबका होता है – मध्यम वर्ग। मध्यम वर्गीय समाज ही अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है और मध्यम वर्ग के परिवार में कमाऊ सदस्य की आजिविका पर ही पूरे परिवार का आर्थिक परिदृश्य निर्भर करता है। यही कारण है कि परिवार में शिक्षा–दीक्षा पूरी करने के बाद युवा पिढ़ी से धनोपार्जन की उम्मीद की जाती है। कई अवसरों पर तो युवा वर्ग को उनकी योग्यता और इच्छा के अनुरूप रोजगार मिल भी जाता है तो कई बार कठिन परिश्रम और संघर्ष का भी सामना करना पड़ता है। ऐसी ही एक कहानी है गरमनाला, जमशेदपुर के विकास कुमार साहू की। विकास के पिता श्री बिनेश्वर साहू, बी0एस0एन0एल के कर्मचारी हैं। परिवार की गाड़ी भी उनकी ठीक–ठाक कमाई से आसानी से चल भी रही थी। अपने जीवन काल में विकास के पिता ने अपनी सभी जिम्मेवारियों को बखूबी निभाया भी है। कुल दो भाई एवं दो बहनों की परवरिश ठीक ढंग से करने के साथ–साथ उन्होंने सभी को शिक्षित भी बनाया। विकास ने भी अपने मध्यम वर्गीय परिवार के अनुकूल करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर से कॉमर्स विषय में स्नातक तक की शिक्षा सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

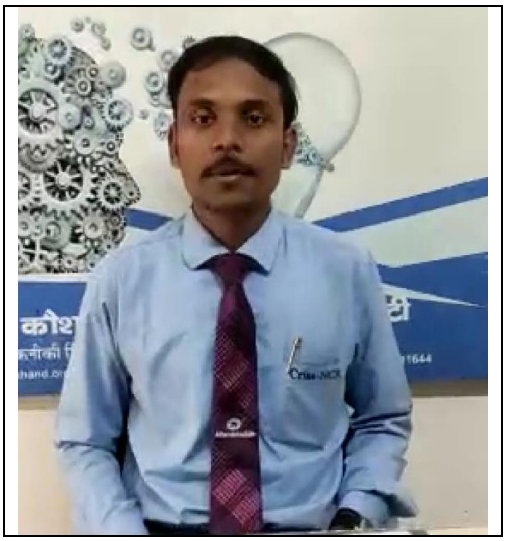

स्नातक तक की पढ़ाई पूरी करने के बाद विकास ने भी अच्छी नौकरी पाने के लिए एड़ी–चोटी एक कर दी। अथक परिश्रम के बावजूद विकास को अपने शिक्षा के अनुरूप नौकरी प्राप्त करने में सफलता नहीं मिल रही थी। फिर समय के साथ–साथ विकास को बिना किसी व्यवसायिक शिक्षा के अच्छी नौकरी नहीं मिलने का ज्ञान हो गया। ऐसे में विकास ने किसी निजी कंपनी में छोटी–मोटी नौकरी करने से ट्यूशन पढ़ाना बेहतर समझा। ट्यूशन से विकास को छोटी–मोटी कमाई तो होने लगी किन्तु यह एक स्थायी रोजगार के लिहाज से सही नहीं था। इस सच्चाई से अवगत होने के कारण ही अंदर ही अंदर विकास को एक अच्छे अवसर की तलाश थी।

इसी बीच विकास को उसके कुछ पुराने सहपाठियों के माध्यम से लघु अवधि के कौशल प्रशिक्षण की जानकारी मिली। विकास ने इस संबंध में अपनी जानकारी को बढ़ाना शुरू किया। जल्द ही उन्हें पता चला कि झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी द्वारा प्रशिक्षण सेवा प्रदाता संस्था Amigos Solutions Pvt. Ltd. के साथ मिलकर मानगो में दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र संचालित किया जा रहा है। विकास ने केन्द्र पर जाकर जानकारी लेना शुरू किया। यहाँ उन्हें पता चला कि Life Sciences के ट्रेड में इस केन्द्र द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाता है। विकास ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए शीघ्र ही संबंधित ट्रेड के लगभग तीन महीने के पूर्णतः निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में नामांकन लेकर पूरे पाठ्यक्रम को काफी बेहतर तरीके से पूर्ण किया।

प्रशिक्षण पूर्ण होते ही दिसम्बर 2018 में केंद्र में ही आयोजित कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में विकास का चयन FDC Pharmaceuticals कंपनी में मेडिकल सेल्स रिपर्जेंटेटिव के पद पर रू0 24,000/– मासिक के वेतनमान पर हो गया। अपने अनुभव के साथ–साथ विकास वर्तमान में अपनी कंपनी बदलकर Mankind Pharma में कार्यरत है। अपने परिवार के मूल्यों को ध्यान में रखते हुए विकास अपनी कमाई से अपने छोटे भाई–बहनों की परवरिश और शिक्षा–दीक्षा में अपने पिता का सहयोग कर रहें है।

झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी की ओर से विकास को उनके उज्जवल भविष्य के लिए अन्नंत शुभकामनाएँ।

****